खाटू बुलाता रहे | by Reshmi Sharma

खयाल जब भी तुम्हारा मेरे श्याम आये
कंपकपाते लब पर तुम्हारा नाम आये
जब कभी ज़िक्र तेरा सुनकर आँख भर आये
तेरी तस्वीर से लिपट कर मुझे आराम आये

ओ बाबा इतनी कृपा मैं तेरी पाता रहु
खाटू बुलाता रहे ,,,,,,,,,
तू खाटू बुलाता रहे और मैं आता रहूं

भाने लगी हैं तेरे दर की गलियां
तुम्हारे दरश से खिले मन की कलियाँ
ओ बाबा दीदार तेरा यूँ ही पाता रहूं
खाटू बुलाता रहे ,,,,,,,,,
तू खाटू बुलाता रहे और मैं आता रहूं

जबसे तेरी चौखट पे सर ये झुका है
तबसे मेरा कोई काम ना रुका है
ओ बाबा सर यूँ ही दर पे मैं झुकाता रहूं
खाटू बुलाता रहे ,,,,,,,,,
तू खाटू बुलाता रहे और मैं आता रहूं

तू दे रहा है मुझे दाना पानी
तेरा शुक्रिया माधव तेरी मेहरबानी
ओ बाबा तेरा दिया ही बस मैं खाता रहूं
खाटू बुलाता रहे ,,,,,,,,,
तू खाटू बुलाता रहे और मैं आता रहूं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%ac%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%87-by-reshmi-sharma/